

ओम प्रकाश 'भाईजी' को भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित

इंदौर। पूर्व क्षेत्रिय निदेशक ओमप्रकाश भाईजी की द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू से कार्यकारी सचिव एवं शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय, ग्राम विकास प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजू, इंदौर जोन की क्षेत्रिय निदेशिका ब्र.कु. कमला दीदी, मुख्य क्षेत्रिय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता दीदी, मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. शान्तनु, ओमशान्ति मीडिया के संपादक ब्र.कु. गंगाधर आदि वरिष्ठ भाई बहनों ने ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश भाई जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए उनके जीवन चरित्र का स्मरण किया। इस अवसर पर आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि ओमप्रकाश भाई का सम्पूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवाओं के लिए समर्पित था।



ओमप्रकाश भाईजी को श्रद्धासुमन अर्पित कर ईश्वरीय स्मृति में खड़े हैं प्रो. कमल दीक्षित, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. उषा, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. चंद्रिका, ब्र.कु. कमला, डॉ. नरेन्द्र धाकड़ तथा शहर के गणमान्य लोग।

उन्होंने ईश्वरीय सेवाओं में नवीनता इजाद की, जिससे हजारों लोगों को प्रभु का सत्य परिचय मिला। भाई जी ने इंदौर में शक्ति निकेतन दिव्य जीवन कन्या छात्रावास की स्थापना की जिससे प्रशिक्षण ले कुमारियां देश-विदेश में कुशल ब्रह्माकुमारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। इस अवसर पर संस्था के ग्राम विकास प्रभाग के

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजू ने कहा कि भाई जी दिव्यता सम्पन्न आत्मा थे। उनके विचारों में सम्पन्नता थी। उन्होंने कहा कि आत्म विकास के लिए यह बात पक्का कर लेना चाहिए कि आत्म चिंतन ही उन्नति की सीढ़ी है। संस्था की युवा प्रभाग राष्ट्रीय समन्वयक ब्र.कु. चंद्रिका ने कहा कि भाईजी का जीवन हमारे लिए प्रेरणास्रोत रहा है।

वे दूरदर्शी व प्लानिंग बुद्धि वाले थे। उन्होंने कहा कि ईश्वरीय सेवाओं को बखूबी इस क्षेत्र में आगे बढ़ाया और परमात्म संदेश जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने ये कन्या छात्रावास खोलकर कन्याओं को सशक्त बनाकर विश्व परिवर्तन के कार्य के लिए योग्य बनाया, और आज ये कन्यायें विश्व कल्याणार्थ देश विदेश में ये संदेश

दे रही हैं। ब्र.कु. युगरतन ने भावपूर्ण गीतों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर बेल्लियम से आये चन्दन मेलवानी ने भाई जी को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में शक्ति निकेतन की छात्राओं ने आनंद सरगम नामक सांस्कृतिक संध्या में मुख्य रूप से जोश का सफर, गुलशन की बहार, ताण्डव नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। ब्र.कु.

नीला दीदी ने 'ओह माइंड' विषय पर दिव्य उद्बोधन दिया। इस अवसर पर देवीअहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नरेन्द्र धाकड़, इंदौर जोन क्षेत्रिय निदेशिका ब्र.कु. कमला, ब्र.कु. उषा, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. हेमलता, ब्र.कु. करुणा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. अनिता व ब्र.कु. शशि ने किया।

'आओ खुशियों की राह चले' कार्यक्रम में खुशियों में झूमे लोग



कार्यक्रम के दौरान सभी को खुशियों की राह पर चलने की टिप्स देते हुए माउण्ट आबू से आये ब्र.कु. डॉ. प्रेम मसंद।

नीमच-पिपलिया मण्डी (म.प्र.)। ब्रह्माकुमारी संस्थान के पिपलिया मण्डी केन्द्र पर मानों खुशियों की बरसात हो रही थी, हर चेहरा खिला हुआ और हाठों पर मुस्कान थी, स्त्री पुरुष बच्चे बूढ़े सभी झूम कर 'आओ खुशियों की राह चले' कार्यक्रम का भरपूर आनंद ले रहे थे। विश्व विख्यात तनाव मुक्ति विशेषज्ञ एवं प्रेरक वक्ता डॉ. प्रेम मसंद द्वारा बताई गई खुशहाल जीवन की टिप्स सुन-सुन कर हर व्यक्ति निहाल हो रहा था और सोच रहा था कि इन छोटी-छोटी बातों को अपनाकर तनाव मुक्त खुशहाल जीवन बनाना कितना आसान हो सकता है। ज़रूरत है कुछ एकाग्रता और सकारात्मक सोच की, जिसका सहज उपाय 'सहज राजयोग मेडिटेशन' ही है।

'आओ खुशियों की राह चले' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ.

प्रेम मसंद ने कहा कि सभी समस्याओं और बीमारियों का निराकरण सकारात्मक चिन्तन और खुशहाल जीवन पद्धति को अपनाकर किया जा सकता है। दवाइयों का अत्यधिक सेवन भी डिप्रेशन का प्रमुख कारण है। अव्यवस्थित जीवन शैली और एकाग्रता की कमी के कारण हताशा और ज़िन्दगी से भागना यह सब बढ़ रहा है और काम पर फोकस कम होता जा रहा है क्योंकि जीवन में सबके बीच होते भी अकेलापन और उदासी बढ़ती चली जा रही है। डॉ. प्रेम मसंद ने बताया कि मनुष्य के मस्तिष्क की 'वेगस नर्व' तभी सक्रिय होती है जब उसे प्यार की अनुभूति हो। उन्होंने अंग्रेजी शब्द 'इल' की व्याख्या करते हुए बताया कि 'इल माना - आई लैक लव' अर्थात् 'मुझमें प्यार की कमी' ही बीमारी का मुख्य कारण है। बीच-बीच में डॉ. प्रेम ने

अलग-अलग खुशहाली के गीत और संगीत की धुन पर विभिन्न मुद्राओं में हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी करवाई, जिससे हरेक का चेहरा और मन मस्तिष्क खिल उठा। आजकल फैल रही कैंसर और हृदय रोग की बीमारी का मुख्य कारण रिसर्च में पाया गया कि व्यक्ति में इमोशनल स्ट्रेस का लेवल कितना है और बीमारी की शुरुआत से पहले उसकी जीवन शैली और मानसिक सोच का स्तर क्या था? यदि मानसिक तनाव, हताशा, उदासी, अकेलापन और अव्यवस्थित जीवन शैली पर ध्यान दिया जाए और छोटी-छोटी तनाव मुक्ति के टिप्स अपनाकर कुछ पल मेडिटेशन का अभ्यास करें तो सभी समस्याओं का निदान हो सकता है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सभी को खड़ा करके विभिन्न मुद्राओं में खुशी की डांस करवायी।

टेंशन फ्री होंगे अटेन्शन रखने से - शिवानी

वाशी-नवी मुम्बई। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा 'टेन्शन फ्री लाइफ स्टाइल' विषय पर सिडको एक्ज़ीविशन सेंटर के भव्य हॉल में पाँच हजार से अधिक लोगों के सम्मुख कार्यक्रम के दौरान जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी ने स्ट्रेस का कारण बताते हुए कहा कि हम सारा दिन दूसरों से अपेक्षाएँ

आत्मा के सात निजी गुणों को यून करे। संस्था के महाराष्ट्र व आंध्रप्रदेश जोन की संचालिका ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि आज मनुष्य अपने विचारों से ही अधिक दुःखी है। विचारों को, भावनाओं को श्रेष्ठ बनाने से ही हम सुखी होंगे। इस अवसर पर सिडको के सुपरिन्टेंडेंट इंजीनियर गिरी भाई

संस्था के साथ उनका पिछले 30साल से स्नेहपूर्ण रिश्ता रहा है। संस्था का कार्य बढ़ता हुआ देख उन्होंने खुशी ज़ाहिर की। कार्यक्रम में आर. एस. रौतेला, डी. आई.जी., सी.आर.पी.एफ., डी. एस. यादव, चेयरमैन, याक मरीन अकादमी, वैशाली होंकर, जज, नवी मुम्बई स्टेशन कोर्ट, शुभदा



कार्यक्रम के दौरान मंचासीन हैं ब्र.कु. शीला, ब्र.कु. शिवानी, राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी तथा सभा में शहर के गणमान्य लोग।

रखते हैं, इसलिए हताशा होते हैं। इसलिए एक्सपेक्शन के बजाय अटेन्शन रखें, तो टेंशन फ्री हो जायेंगे। हम पैसे कमाने का लक्ष्य रखते हैं, लेकिन जीवन में हैप्पीनेस, खुशी और आनंद कमाने का भी लक्ष्य रखें। उसके लिए अपने कर्म सुखदाई बनायें। साथ ही हम अपने

ने सिडको की तरफ से सभी का दिल से स्वागत किया। सेंट मैरी चर्च के फादर अब्राहम जोसेफ ने ब्रह्माकुमारी के कार्य को खूब सराहा और कहा कि आज के भौतिकवादी युग में इस आध्यात्मिक ज्ञान की बहुत आवश्यकता है। बहन मंदा ताई म्हात्रे ने कहा कि

नायक, वाईस प्रिंसीपल मॉडर्न कॉलेज, सुनील चौहान, आई.ए.एस. ऑफिसर, पनवेल महानगर पालिका के महापौर, सभापति तथा अनेक नगर सेवक और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. शिवानी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई।